सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 244 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 14 अक्टूबर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

आप मित्र बदल सकते हैं पर पड़ोसी नहीं।
-अटल बिहारी वाजपेयी

पटेल समाज में रोष, इटालिया को छोड़ना... 7 | विरासत में धरती पुत्र छोड़ गए... 3 | इनोवेशन फंड का गठन करेगी सरकार... 2

सीएम योगी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई सर्वेक्षण, कहा

पीड़ितों के साथ खड़ी है सरकार, करेगी भरपूर मदद

» जनहानि और घर के नुकसान पर तत्काल मुआवजा उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

» नष्ट फसलों का आंकलन कर किसानों के खाते में जल्द भेजें धनराशि

» गोरखपुर व महराजगंज में बाढ़ प्रभावितों से मिले सीएम, बांटी राहत सामग्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

महराजगंज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज महराजगंज और गोरखपुर जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया और प्रभावितों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि अक्टूबर के महीने में पहली बार असमय बाढ़ की त्रासदी का सामना सभी को करना पड़ रहा है। आपदा का मजबूती से सामना करते हुए केंद्र व राज्य की डबल इंजन सरकार जनता की सेवा में पूरी तत्परता के साथ जुटी है। सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ी है और उनकी भरपूर मदद करेगी।

उन्होंने बाढ़ पीड़ितों का दुख-दर्द साझा किया और खुद अपने हाथों से राहत सामग्री सौंपी। उन्होंने कहा कि बाढ़ से हुए हर नुकसान की भरपाई की जाएगी। पीड़ितों को पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न व अन्य सामग्री का वितरण कराया जा रहा है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे बाढ़ से हुई जनहानि पर पीड़ित परिवार को चार लाख का मुआवजा तत्काल उपलब्ध कराएं। अंग-भंग होने पर 2.5 लाख तक की सहायता के साथ गंभीर घायलों को भी आर्थिक मदद दी जाएगी। जिनके मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं उन्हें 1.20 लाख दिए जाएंगे। फसलों के नुकसान का आंकलन कर क्षतिपूर्ति की धनराशि किसानों के खातों में भेजी जाएगी। इसके पहले गुरुवार को सीएम ने सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर और बस्ती में बाढ़ का हवाई सर्वेक्षण किया था।

चलेगा स्वच्छता और सेनेटाइजेशन अभियान

सीएम ने निर्देश दिया कि बाढ़ का पानी उतरने के साथ ही लोगों को बीमारियों से बचाने के लिए स्वच्छता, सेनेटाइजेशन और छिड़काव का अभियान युद्ध स्तर पर शुरू किया जाए। इसके साथ ही दीवाली से पूर्व क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत व बिजली आपूर्ति की बहाली सुनिश्चित करते हुए हर व्यवस्था को पुख्ता किया जाए ताकि सभी हर्षोल्लास से दिवाली मना सकें।

फरियादियों को दिया समस्याओं के समाधान का भरोसा

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज सुबह गोरखनाथ मंदिर के हिंदू सेवाश्रम में आयोजित जनता दरबार में फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उसके समाधान का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि हर किसी के साथ न्याय होना चाहिए। जनता दर्शन में बड़ी संख्या में जमीन-जायदाद और इलाज के मामले आए। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में मौजूद अधिकारियों को जमीन की समस्या का समाधान जल्द से जल्द करने का निर्देश दिया। साथ ही इलाज के लिए धन की मांग लेकर आए लोगों पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आगे बढ़कर वह यह सुनिश्चित करें कि किसी भी व्यक्ति का इलाज धन के अभाव में रुकने न पाए।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के एस्कॉर्ट से टकराई एंबुलेंस, छह घायल

» लखीमपुर जा रहे थे डिप्टी सीएम, महोली विधायक का वाहन भी क्षतिग्रस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतापुर। सीतापुर-लखीमपुर रोड पर नानकारी के पास डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के काफिले में शामिल एंबुलेंस पुलिस एस्कॉर्ट वाहन से जा टकरायी। हादसे में तीन पुलिसकर्मी और एक डॉक्टर सहित छह लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक गोला गोकर्णनाथ-लखीमपुर जा रहे थे। जहां उन्हें कार्यक्रमों में भाग लेना था। काफिले में डॉक्टर व स्वास्थ्यकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। सभी एंबुलेंस में थे। हादसे में घायल एसआई प्रमोद मिश्रा, मुख्य आरक्षी इंद्र देव सिंह, राजवीर सिंह का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। महोली विधायक शशांक त्रिवेदी ने बताया कि सड़क पर अचानक साइकिल सवार आ गया था, उसे बचाने में वाहन आपस में टकरा गए। हादसे में तीन पुलिसकर्मी व एक डॉक्टर सहित तीन स्वास्थ्यकर्मी घायल हुए हैं। सभी की हालत ठीक है। हादसे में विधायक शशांक त्रिवेदी का वाहन भी क्षतिग्रस्त हुआ है।

शराब घोटाला: फिर एक्शन में ईडी, दिल्ली में ताबड़तोड़ छापेमारी

तीन लोगों की हो चुकी है गिरफ्तारी
पहले भी कार्रवाई कर चुकी है ईडी

» आबकारी नीति में अनियमितता की शिकायत पर हो रही कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाले में एक बार फिर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) एक्शन में है। जांच एजेंसी की टीमों ने राजधानी में 25 ठिकानों पर छापेमारी की। इससे पहले भी ईडी और सीबीआई ने इस केस में 100 से अधिक ठिकानों पर तलाशी ली थी, जिनमें कुछ नेता, पूर्व नौकरशाह और कारोबारी शामिल हैं। जांच एजेंसियों ने अब तक तीन आरोपियों विजय नायर, समीर महेंद्रू और अभिषेक बोइनपल्ली को गिरफ्तार किया है। इस केस में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी आरोपी हैं।

सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए आरोपियों और अन्य लोगों से पूछताछ के दौरान कुछ नाम सामने आए हैं, जिनकी भूमिका इस घोटाले में संदिग्ध मानी जा रही है। आज जिन लोगों के ठिकानों पर छापेमारी चल रही है, उनमें कुछ बड़े कारोबारी शामिल हैं। ईडी सूत्रों का कहना है कि जांच एजेंसी के हाथ काफी सबूत लग चुके हैं। माना जा रहा है कि आज छापेमारी के बाद कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया जा सकता है। दिल्ली में हुए शराब घोटाले में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया मुख्य आरोपी हैं। आबकारी विभाग भी सिसोदिया के पास है और उन्हीं के नेतृत्व में नीति बनाई गई थी, जिसके जरिए सरकारी खजाने को नुकसान और कारोबारियों को फायदा पहुंचाए जाने का आरोप है। हालांकि, आम आदमी पार्टी आरोपों को नकारती रही है। फिलहाल एजेंसी लगातार शिकंजा कस रही है।

इनोवेशन फंड का गठन करेगी सरकार स्टार्टअप को मिलेगा बढ़ावा

अमेठी में जिला कारागार भवन का होगा निर्माण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश इनोवेशन फंड का गठन किया जाएगा। इसमें तकनीकी विश्वविद्यालय, शिक्षण संस्थान और उच्च शिक्षण संस्थान आगामी 2 से 3 वर्ष में 400 करोड़ रुपये का योगदान देंगे। वहीं कुशल इनवेस्टमेंट मैनेजर की ओर से अन्य निवेशकों की सहभागिता से 4000 करोड़ रुपये तक का निवेश स्टार्ट अप्स में कराया जाएगा। योगी कैबिनेट की बैठक में यूपी इनोवेशन फंड की स्थापना का प्रस्ताव मंजूर किया गया।

मंत्रिपरिषद ने फंड के संचालन के लिए ट्रस्ट, लॉ-फर्म तथा इनवेस्टमेंट मैनेजर का चयन मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति के जरिये किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के स्टार्ट अप्स को यूपीआईएफ के तहत निवेश में वरीयता प्रदान की जाएगी। यूपी इनोवेशन फंड के तहत राज्य सरकार का हस्तक्षेप कम से कम रहेगा। राज्य सरकार की ओर से आवश्यकतानुसार इनवेस्टमेंट मैनेजर को अबाध्यकारी सुझाव दिए जा सकेंगे। मंत्रिपरिषद के अनुमोदन के बाद शासनादेश वित्त विभाग से किया जाएगा। प्राविधिक शिक्षा विभाग को नोडल विभाग के रूप में कार्य करेगा। नई नीति में प्रदेश में दुग्ध प्रंसस्करण की मात्रा और क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया गया है। प्रदेशीय इंडस्ट्रियल और इंवेस्टमेंट कारपोरेशन (पिकप) के कार्मिकों को सुनिश्चित कैरियर प्रगति (एसीपी) का लाभ दिया जाएगा। राज्य सरकार ने प्रतिकूल मौसम से प्रभावित किसानों को चना और मसूर के बीजों की ढाई लाख मिनी किट निशुल्क बांटने का निर्णय लिया है। किसानों को मुफ्त में बीजों की किट दी जाएगी। योगी कैबिनेट ने प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर मक्का और बाजरा खरीदने की मंजूरी दे दी है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के मुताबिक वर्ष 2023 अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। योगी कैबिनेट ने धान खरीद के लिए सहकारिता विभाग के नियंत्रण में आने वाली संस्थाओं को ऋण दिलाने के लिए 4,800 करोड़ रुपये की गारंटी को मंजूरी दे दी है।

विक्रमादित्य मार्ग पर बनेगा नया राज्य अतिथि गृह

सरकार ने लखनऊ में विक्रमादित्य मार्ग पर स्थित पुराने अतिथि गृह को ध्वस्त करके उसके स्थान पर नया और बड़ा अतिथि गृह बनाने का निर्णय किया है। राज्य संपत्ति विभाग द्वारा तैयार किए गए इससे संबंधित प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। जल्द ही नए अतिथि गृह का निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। अब तक एक बंगले के रूप में स्थित यह भवन सीबीसीआईडी का गेस्ट हाउस था। खाली होने के बाद राज्य संपत्ति विभाग इसे अतिथि गृह के रुप में इस्तेमाल कर रहा था।

इलेक्ट्रिक वाहनों के पंजीकरण और टैक्स में छूट

उत्तर प्रदेश में बनने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण एवं गतिशीलता नीति लागू होने के बाद से पांच वर्ष तक पंजीकरण और रोडटैक्स में शत प्रतिशत छूट दी जाएगी। वहीं प्रदेश से बाहर बनने वाले ईवी को नीति लागू होने के बाद पहले, दूसरे और तीसरे वर्ष तक छूट दी जाएगी।

इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर फैक्ट्री मूल्य पर 15 प्रतिशत की सब्सिडी दी जाएगी। नीति लागू होने के बाद पहले एक हजार ई-गुड्स कैरियर वाहन की खरीद पर प्रत्येक वाहन पर एक लाख रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। प्रदेश में ईवी वाहनों को फैक्ट्री मूल्य पर 15 प्रतिशत की सब्सिडी दी जाएगी। आईटी एवं इलेक्ट्रोनिक्स मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि स्टार्टअप नीति-2020 के तहत प्रदेश में तीन स्टेट ऑफ आर्ट उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना का लक्ष्य है। इसके तहत आईआईटी कानपुर और आईआईटी कानपुर के नोएडा परिसर में ड्रोन तकनीकी के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की जाएगी।

चंदरनगर में अगले वर्ष खुलेगा 50 बेड का मदर एंड चाइल्ड केयर अस्पताल

बृजेश पाठक ने कहा जल्द पूरा होगा निर्माण कार्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने आलमबाग चन्दरनगर स्थित निर्माणाधीन मदर एंड चाइल्ड केयर हास्पिटल (एमसीएच) का निरीक्षण किया। उन्होंने जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। ताकि जनवरी में अस्पताल का शुभारंभ किया जा सके। चंदरनगर में नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निकट 50 बेड का मदर एंड चाइल्ड केयर हास्पिटल का निर्माण कार्य चल रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्य का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि करीब 16 करोड़ रुपये की लागत से अस्पताल का निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

उन्होंने कहाकि अस्पताल का निर्माणकार्य जल्द से जल्द कराया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं बरती जाए। निर्माण की गुणवत्ता की समय-समय पर अधिकारी जांच कराएं।अस्पताल के बनने से महिलाओं और बच्चों को बेहतर इलाज मिल सके। उन्होंने बताया कि मदर एंड चाइल्ड केयर हॉस्पिटल बनने से आलमबाग, आशियाना, पारा, कानपुर रोड के आस-पास की कालोनियों की महिलाओं और बच्चों को बेहतर इलाज मिल सकेगा।

हिंदू-मुस्लिम के बीच खाई पाटने पर जोर देगा संघ

24 की चुनावी तैयारियों के साथ शताब्दी वर्ष की तैयारी शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के वर्ष 2025 में सौ वर्ष पूरे होने को लेकर संघ की ओर से अभी से ही तैयारी शुरू कर दी गई है। शताब्दी वर्ष का असली रंग तभी निखरेगा जब भाजपा वर्ष 2024 में फिर से केंद्र की सत्ता पर काबिज हो। भाजपा के तीसरी बार सत्ता में आने को लेकर प्रयागराज में संघ प्रमुख मोहन भागवत की अगुवाई में रणनीति बननी शुरू हो गई है।

गौहनियां स्थित वात्सल्य स्कूल परिसर में मोहन भागवत एवं अन्य केंद्रीय पदाधिकारियों ने संघ के माध्यम से किए जाने वाले तमाम कार्यक्रमों का खाका खींचना शुरू कर दिया है। प्रयागराज में 16 से 19 अक्टूबर तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक के राजनीतिक गलियारे में तमाम मायने निकाले जाने लगे हैं। वर्ष 2025 में प्रयागराज के महाकुंभ के पूर्व वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर संघ का एकजुटता पर मुख्य जोर रहेगा। कार्यकारी मंडल की बैठक में गांव-गांव संघ की शाखाएं लगाने सहित हिंदू-मुस्लिम के बीच खाई पाटने पर भी चर्चा होगी। स्वयंसेवक जब लोगों के बीच जाएं तो मजहबी दीवारा तोड़ना ही उनका एकमात्र लक्ष्य हो। जनमानस को समझाना होगा कि आपस में ही बिखरना छोड़कर समाज को जोड़ें। कानपुर प्रवास में संघ प्रमुख ने घर-घर तक स्वयंसेवकों की पहुंच सहित प्रत्येक परिवार में स्वयंसेवक तैयार करने का संदेश दिया था।

दक्षिण भारत के राज्यों पर संघ की विशेष नजर

संघ की तैयारी उन राज्यों को लेकर भी है, जहां अभी भाजपा सत्ता में नहीं है। इसमें अधिकतर दक्षिण भारत के ही राज्य हैं। तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल, तमिलनाडु आदि राज्यों में संघ की शाखाओं के विस्तार सहित देश के तमाम राज्यों की अनुसूचित जातियों को एकजुट कर उन्हें शाखाओं में लाए जाने की रणनीति भी संगमनगरी में बनेगी। फिलहाल गौहनियां में संघ प्रमुख ने प्रवास के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को 16 अक्टूबर की बैठक के तमाम एजेंडों पर चर्चा की। शुक्रवार को भी संघ प्रमुख के नेतृत्व में अगले एक वर्ष में किए जाने वाले तमाम कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की जाएगी।

श्रीराम जन्मभूमि परिसर में बनेगा यात्री सुविधा केंद्र

नवंबर से शुरू होगा निर्माण कार्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। इस समय रामजन्मभूमि परिसर में मंदिर का गर्भगृह निर्मित हो रहा है। नवंबर माह में इसी परिसर में श्रद्धालुओं के लिए यात्री सुविधा केंद्र का निर्माण प्रारंभ करने की योजना है। इसके अलावा शौचालय व पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ अग्निशमन केंद्र का निर्माण भी प्रस्तावित है।

सभी भवनों का निर्माण एक साथ शुरू होगा। गर्भगृह का निर्माण दिसंबर 2022 में पूरा हो जाएगा। इसके बाद रामभक्त रामलला का दर्शन पूजन कर सकेंगे। ट्रस्ट के एक सदस्य ने बताया कि इसी माह में होने वाली मंदिर निर्माण समिति की बैठक में यात्री सुविधा केंद्र की संरचना (ले आउट) पर चर्चा होगी। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय के अनुसार गर्भगृह में स्तंभों की स्थापना प्रारंभ हो गयी है। पहला स्तंभ जोड़ा जा चुका है। प्रत्येक स्तंभ में गढ़े गए सात हिस्सों को आपस में जोड़ा जा रहा है। स्तंभों में देवी देवताओं की आकृतियां भी उकेरी जाएंगी। स्तंभों के ऊपर बीम व छत की शिलाओं को जोड़ा जाएगा।

प्रदेश में सियासी जमीन मजबूत करने में जुटे राजभर, लोक सभा चुनाव पर नजर

पार्टी में फूट के बीच अपने वोट बैंक को सहेजने की जुगत

» सावधान यात्रा के जरिए साध रहे जनसंपर्क, क्षेत्रीय समीकरण पर भी फोकस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में सपा गठबंधन को शिकस्त मिलने के बाद सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने अपनी राहें अलग कर ली। उन्होंने न केवल सपा से गठबंधन तोड़ लिया बल्कि लोक सभा चुनाव से पहले नए और मजबूत ठिकाने की तलाश में जुटे हैं। इसके अलावा वे अपनी पार्टी को विस्तार देने के लिए सावधान यात्रा के जरिए लोगों से संवाद स्थापित कर रहे हैं। पार्टी में हुई टूट को देखते हुए उनकी नजर अपने वोट बैंक को संभालने पर भी है।

पार्टी में हुई टूट को देखते हुए सुभासपा मुखिया ओमप्रकाश राजभर अपने वोट बैंक को सहेजने के लिए सावधान यात्रा निकाली है। रथ पर सवार ओमप्रकाश राजभर सपा के गढ़ आजमगढ़ भी पहुंचे थे। वे लगातार सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखे हमले कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अब वे सपा के साथ नहीं हैं और न आगे साथ आने की संभावना है। हालांकि वे भाजपा के प्रति काफी नरम रूख अपनाए हुए हैं। इससे माना जा रहा है कि वे लोक सभा चुनाव से पहले भाजपा के साथ एक बार फिर गलबहियां कर सकते हैं। वे कहते हैं कि जातिवार जनगणना कराई जाए। शोषित, वंचित और गरीबों को जोड़ने के लिए सावधान रथ यात्रा प्रदेश में भ्रमण कर रही है। वे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मिल चुके हैं। हालांकि उन्होंने इस मुलाकात पर कहा था कि वे सीएम से राजभर जाति को एससी में शामिल करने को लेकर बात करने गए थे। दूसरी ओर पिछले दिनों खुद प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के साथ ओमप्रकाश राजभर ने मंच साधा किया था। तब बृजेश पाठक ने कहा था कि राजभर उनके स्थायी मित्र हैं। साफ है सुभासपा की नजर लोक सभा चुनाव से पहले प्रदेश में मजबूत साथी की तलाश पर टिकी है और जिस तरह वे कांग्रेस, बसपा और सपा को खारिज कर रहे हैं उससे निकट भविष्य में उनके भाजपा से गठबंधन की संभावना दिखाई पड़ रही है।

बिहार पर भी फोकस

ओमप्रकाश राजभर यूपी के साथ बिहार में भी पार्टी को मजबूत करने पर जोर दे रहे हैं। यही वजह है कि सावधान यात्रा का समापन 27 अक्टूबर को पटना में करेंगे। इसके पहले भी वे बिहार में कई जनसभाओं को संबोधित कर चुके हैं। वे जाति जनगणना समेत कई मुद्दों पर नीतीश सरकार को घेरने की रणनीति पर जुटे है। यहां वे अतिपिछड़ी जातियों पर फोकस कर रहे हैं।

पूर्वांचल में है अच्छी पकड़

सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश की पूर्वांचल के साथ राजभर वोटरों पर अच्छी पकड़ है। इसका फायदा भी उन्हें पिछले विधान सभा चुनाव में मिल चुका है। उनकी पार्टी के कई प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की थी। पार्टी की टूट को देखते हुए उनके सामने अब अपने राजभर वोटों को बचाने की चुनौती भी है।

विरासत में धरती पुत्र छोड़ गए करोड़ों की संपत्ति!

मुलायम सिंह यादव के पास नहीं थी अपनी खुद की कोई कार

» 20 करोड़ रुपए से ज्यादा के एसेट थे, अब अखिलेश संभालेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिग्गज राजनेता और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री रहे मुलायम सिंह यादव का परिवार देश के सबसे बड़े और चर्चित राजनीतिक परिवारों में शुमार है। यूपी की राजनीति में लंबे वक्त से सक्रिय इस परिवार के कई सदस्य लोक सभा और विधान सभा के सदस्य हैं या फिर रहे हैं लेकिन आपको यह जानकर शायद आश्चर्य हो कि परिवार के कई सदस्यों के नाम अपनी कोई कार नहीं है।

हालांकि परिवार के कुछ सदस्यों के पास महंगी लग्जरी कारें भी हैं। अखिलेश यादव, डिंपल यादव और मुलायम सिंह ने 2019 में चुनाव आयोग को जो हलफनामा दिया था उसमें जानकारी दी थी कि उनके पास अपनी कोई कार नहीं है। सपा संरक्षक मुलायम सिंह अपने परिवार के लिए एक बड़ी विरासत छोड़ गए हैं। उनके के पास करोड़ों रुपये की संपत्ति थी। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीजी) की रिपोर्ट के अनुसार, 2019 तक मुलायम सिंह यादव के पास 20 करोड़ रुपये से भी ज्यादा के एसेट थे। बताया जा रहा है कि नेताजी के जाने के बाद अखिलेश ही उनकी जिम्मेदारी संभालेंगे। मुलायम सिंह के एसेट की भी जिम्मेदारी निभाएंगे।

मुलायम के पास इतनी थी इनकम

नेताजी के नाम से मशहूर मुलायम के पास 20,56,04,593 रुपये की संपत्ति थी और उनकी देनदारियां दो करोड़ से ज्यादा यानी 2,20,55,657 रुपये थी। वित्त वर्ष 2017-18 में आईटीआर के अनुसार उनकी इनकम 32,02,615 रुपये थी, 2016 से 2017 में 31,87,656 रुपये, 2015 से 2016 में 28,38,642 रुपये, 2014 - 2015 में 36,05,768 रुपये और 2013 से 2014 में उनकी इनकम 19,16,997 रुपये थी। वही मुलायम सिंह यादव पर बेटे अखिलेश यादव का 2 करोड़ रुपये से ज्यादा यानी 2,13,80,000 रुपये का बकाया है।

छोटे बेटे प्रतीक के पास लग्जरी कार

प्रतीक यादव मुलायम सिंह के छोटे बेटे हैं और उनके पास आलीशान लैम्बॉर्गिनी कार है। यह एक लग्जरी कार है, जिसकी कीमत 5 करोड़ रुपये से अधिक है। प्रतीक यादव की पत्नी अपर्णा यादव के पास अपनी कोई कार नहीं है। मुलायम सिंह यादव के भाई और राजनेता शिवपाल यादव के पास पजेरो कार है। इस बात की जानकारी शिवपाल ने 2019 में चुनाव आयोग को अपने हलफनामे में दी थी। वहीं उनकी पत्नी सरला यादव के पास अपनी कोई कार नहीं है। मुलायम सिंह यादव के भतीजे धर्मेंद्र यादव ने 2019 में चुनाव आयोग को बताया था कि उनके पास टोयोटा क्वालिस कार है।

मुलायम सिंह के लिए भारत रत्न की उठी मांग

लखनऊ। दिवंगत मुलायम सिंह यादव के लिए भारत रत्न की मांग उठी है। यह मांग समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता और सीनियर लीडर आईपी सिंह ने की है। राष्ट्रपति को एक पत्र लिखकर सपा नेता ने मुलायम सिंह यादव को अविलम्ब भारत रत्न देने की मांग की है। आईपी सिंह ने अपने पत्र में लिखा कि नेताजी के गोलोकगमन से पूरा देश शोकाकुल है। सभी में निराशा का भाव है। ऐसे में उनके चाहने वाले और समाजवादी विचारधारा के हर सिपाही की भावनाओं को ध्यान रखते हुए नेताजी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की घोषणा की जानी चाहिए। धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव वो नाम है जो भारत रत्न की शोभा बढ़ाने का काम करेगा। आईपी सिंह ने लिखा है कि उत्तर प्रदेश के सबसे छोटे कस्बे में से एक पिछड़े परिवार में जन्म लेने वाले नेताजी लगभग 6 दशकों तक सदैव देश की राजनीति का केंद्र बिंदु बने रहे। वह सही मायने में भारतीय राजनीति के दिग्गज नेता थे। आठ बार विधायक, सात बार सांसद तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और एक बार भारत के रक्षा मंत्री रहकर भी नेताजी ने कभी जमीन नहीं छोड़ी। वे गरीबों के मसीहा थे और आजीवन सिर्फ गरीब कल्याण की राजनीति की। महामहिम, समाज में जिस वंचित और शोषित वर्ग के लिए नेताजी ने संघर्ष किया उस वर्ग की पीड़ा और दर्द आप से बेहतर कोई और नहीं समझ सकता।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

स्कूली बच्चों की सेहत से खिलवाड़

सरकार के तमाम दावों के बावजूद प्रदेश में मिड-डे-मील योजना लगातार बदतर होती जा रही है। स्कूली बच्चों की सेहत से खिलवाड़ किया जा रहा है। सीतापुर के एक सरकारी कंपोजिट विद्यालय में मध्यान्ह भोजन के दौरान दूध में छिपकली मिली। इस दूध को पीकर करीब चालीस बच्चों की तबीयत बिगड़ गयी। इसके पहले जुलाई में मुजफ्फरनगर में खाने में छिपकली मिली थी और तीस बच्चे बीमार हो गए थे। सवाल यह है कि बच्चों को पौष्टिक आहार देने के नाम पर उनकी सेहत से खिलवाड़ क्यों किया जा रहा है? मिड-डे-मील के नाम पर कौन गोलमाल कर रहा है? भोजन परोसने के पहले इसकी गुणवत्ता की जांच क्यों नहीं की जा रही है? तमाम स्कूलों में मेन्यू के हिसाब से भोजन क्यों नहीं उपलब्ध कराया जा रहा है? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को अपनी चपेट में ले लिया है? इन घटनाओं के लिए कौन जिम्मेदार है? क्या ऐसे ही बच्चों को कुपोषण से निजात दिलायी जा सकती है? पूरी व्यवस्था में पारदर्शिता की नीति क्यों नहीं अपनायी जा रही है?

भारत और राज्य सरकारों ने सरकारी स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने और उनको कुपोषण से बचाने के लिए मिड-डे-मील योजना की शुरूआत 1995 में की थी। 2004 में स्कूल में बच्चों को पका भोजन उपलब्ध कराए जाने का प्रावधान किया गया। इसके तहत प्रति दिन मेन्यू के हिसाब से बच्चों को भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गयी। इसके साथ बच्चों को फल और दूध देने का भी प्रावधान किया गया लेकिन प्रदेश के सरकारी स्कूलों में मिड-डे-मील योजना अव्यवस्था का शिकार हो चुकी है। अधिकांश स्कूलों में एक से पांच तक के बच्चों को मेन्यू के हिसाब से भोजन उपलब्ध नहीं कराया जाता है। कई स्कूलों में तो सप्ताह में एक दिन भोजन के बदले बच्चों को बिस्कुट खिलाकर काम चलाया जा रहा है। अगस्त में लखीमपुर के धौरहरा नगर क्षेत्र के एक स्कूल में बच्चों को मध्यान्ह भोजन की जगह बिस्कुट बांटे जाने का खुलासा हुआ। हैरानी की बात यह है कि खाने में पौष्टिकता तो दूर मध्यान्ह भोजन को पकाने में भी बेहद लापरवाही बरती जा रही है। यही वजह है कि भोजन करने के बाद बच्चों के बीमार पड़ने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। इसके कारण अभिभावकों की चिंताएं बढ़ती जा रही हैं। यह स्थिति तब है जब सरकार इस योजना पर हर साल करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। यदि सरकार वाकई बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना चाहती है तो इसके लिए उसे पूरी व्यवस्था में आमूल परिवर्तन करना होगा साथ ही खराब भोजन उपलब्ध कराने वाली संस्थाओं और कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी होगी।

सवाल यह है कि बच्चों को पौष्टिक आहार देने के नाम पर उनकी सेहत से खिलवाड़ क्यों किया जा रहा है? मिड-डे-मील के नाम पर कौन गोलमाल कर रहा है? भोजन परोसने के पहले इसकी गुणवत्ता की जांच क्यों नहीं की जा रही है? तमाम स्कूलों में मेन्यू के हिसाब से भोजन क्यों नहीं उपलब्ध कराया जा रहा है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राजस्थान में घमासान पर कांग्रेस सतर्क

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान कांग्रेस में चल रहे घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस आलाकमान पूरी तरह से सतर्क है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी राजस्थान पर नजर रखे हुए हैं। जिस तरह से 25 सितंबर को दिल्ली से आए कांग्रेस के केंद्रीय पर्यवेक्षकों मल्लिकार्जुन खड़गे व अजय माकन के सामने राजस्थान में कांग्रेस के विधायकों ने प्रदर्शन किया था। उससे पार्टी में चल रही अंदरूनी फूट उजागर हो गई थी। उस घटना से कांग्रेस पूरे देश में बैकफुट पर ला दिया था।पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट पर गहलोत समर्थक तीन नेताओं- शांति धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौड़ को कांग्रेस अनुशासन समिति द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। हालांकि अभी नोटिस की कार्यवाही को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। मगर राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इसे तूफान आने से पहले की शांति समझा जा सकता है।

राजस्थान के घटनाक्रम से कांग्रेस पार्टी का अनुशासन तार-तार हो गया था। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी इस बात से पूरी तरह वाकिफ हैं कि यदि पार्टी में एक बार अनुशासन भंग हो गया तो वैसी घटनाएं दूसरी जगह भी होने लगेंगी। उनको रोकने के लिए कड़े अनुशासनात्मक कदम उठाए जाने जरूरी हैं ताकि अन्य कहीं ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए कर्नाटक पहुंचीं सोनिया गांधी राजस्थान के घटनाक्रम पर राहुल गांधी से भी विस्तार से चर्चा कर चुकी हैं। उस दौरान उनके साथ राहुल गांधी के विश्वस्त और पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे। कांग्रेस में राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया चल रही है। सोनिया गांधी इस दौरान किसी भी तरह का महत्वपूर्ण फैसला करने से बच रही हैं। हाल ही में सोनिया गांधी ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष व क्षेत्रीय अध्यक्षों की नियुक्तियां की थीं जिस पर अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ रहे शशि थरूर ने आपत्ति जताकर कांग्रेस के चुनाव अधिकारी मधुसूदन मिस्त्री को चुनावी प्रक्रिया संपन्न होने तक किसी भी प्रकार के नीतिगत फैसले लेने से रोकने की मांग की थी। उस कारण से सोनिया गांधी राजस्थान को लेकर आगे नहीं बढ़ रही हैं। सोनिया गांधी का मानना है कि कांग्रेस के अगले अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का बनना तय है। खड़गे स्वयं राजस्थान में कांग्रेस के पर्यवेक्षक बन कर गए थे। इस कारण वह व्यक्तिगत रूप से पूरे घटनाक्रम से वाफिक हैं। ऐसे में राजस्थान पर जो भी फैसला हो वह खड़गे के माध्यम से ही करवाया जाए

ताकि उनके ऊपर समानांतर रूप से काम करने का आरोप नहीं लग सके। वहीं गहलोत समर्थक मंत्री चाहते हैं कि राजस्थान से अजय माकन को हटाकर उनके स्थान पर किसी अन्य वरिष्ठ नेता को प्रभारी बनाया जाए लेकिन गहलोत समर्थकों को इस बात को भी नहीं भूलना चाहिए कि 25 सितंबर के घटनाक्रम के दौरान माकन के साथ मल्लिकार्जुन खड़गे भी दो दिन तक जयपुर में विधायकों से मिलने का इंतजार करते रहे थे मगर एक भी गहलोत समर्थक विधायक ने पर्यवेक्षकों से मिलकर अपनी राय व्यक्त नहीं की थी। इससे मल्लिकार्जुन खड़गे भी काफी क्षुब्ध नजर आए थे। मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के सबसे वरिष्ठ नेता हैं। पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनकी जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाएगी। उनके नेतृत्व में यदि कोई पार्टी का नेता अनुशासनहीनता करता है तो अनुशासन बनाए रखने की पूरी जिम्मेदारी भी उन्हीं की होगी। राजस्थान में जिस तरह से उनके सामने पार्टी का अनुशासन भंग किया गया वैसी स्थिति फिर कभी न हो, इसकी व्यवस्था भी उनको ही करनी होगी।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जिस तरह योजनाबद्ध तरीके से कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से दूर हो गए थे। वैसे ही वह अपने समर्थक विधायकों को गोलबंद कर आलाकमान से सशर्त मुख्यमंत्री पद छोड़ने की बात कह रहे हैं। गहलोत किसी भी सूरत में सचिन पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनने देना चाहते हैं। पायलट को मुख्यमंत्री बनने से रोकने के लिए गहलोत किसी भी स्तर तक जाकर जोखिम उठाने को तैयार हैं। गहलोत को पता है कि उनके पास 80 से अधिक विधायकों का समर्थन है। ऐसे में आलाकमान उनकी मर्जी के खिलाफ किसी दूसरे को मुख्यमंत्री बनाता है तो पार्टी में विद्रोह की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कांग्रेस आलाकमान को भी पता है कि यदि गहलोत को मुख्यमंत्री पद से हटाने में जबरदस्ती या किसी तरह की जल्दबाजी की गई तो उसका खामियाजा पार्टी को उठाना पड़ सकता है। जाहिर है कांग्रेस आलाकमान को राजस्थान में कोई भी कदम उठाने से पहले पूरी तैयारी करनी होगी तथा अपने स्टैंड पर मजबूती से डटे रहना होगा। तभी पार्टी आलाकमान का झंडा बुलंद हो पाएगा।

अमेरिका में भारतीयों पर बढ़ते हमले

जे सुशील

अमेरिका में पिछले कुछ सालों तक भारतीय मूल के लोगों या भारत से काम करने आये लोगों को मॉडल माइनॉरिटी या आदर्श अल्पसंख्यक कहा जाता था। आदर्श इस अर्थ में कि अमेरिका आकर नौकरी करना, पैसे कमाना और अमेरिकी रंग में रंग जाना। साठ के दशक में जब अमेरिकी नियमों में बदलाव हुआ तो बड़ी संख्या में भारत से लोगों का अमेरिका आना हुआ। उस दौरान आने वाले लोगों में खास तौर पर वे लोग थे जो विज्ञान और मेडिसिन के क्षेत्र से जुड़े थे। उन्हें यहां अच्छी नौकरियों पर बुलाया गया और उन्हें यहां बेहतर जिंदगी मिली। नब्बे के दशक में सूचना प्रौद्योगिकी में आयी उछाल के बाद बड़ी संख्या में भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर अमेरिका आये। धीरे-धीरे अमेरिका के पश्चिमी इलाके यानी कैलिफोर्निया और आसपास के राज्यों में भारतीय लोगों की बड़ी आबादी बसी। पूर्वी तट, जहां कंप्यूटर से जुड़ी कंपनियों थीं पर भी भारतीय इंजीनियर बसते चले गये।

साठ और सत्तर के दशक में भारतीयों के प्रति नस्ली भेदभाव की घटनाएं बहुत कम हुआ करती थीं, क्योंकि अमेरिका में सिविल राइट्स आंदोलन चल रहा था। सत्तर व अस्सी के दशक तक भारतीयों की संख्या भी कम थी। नब्बे के दशक में जब भारतीयों की संख्या बढ़ी तो उनके खिलाफ भेदभाव की छिटपुट घटनाएं घटने लगीं। इसका एक कारण यह भी था कि नब्बे के दशक तक भारतीय मूल के लोगों की एक नयी पीढ़ी खड़ी हो गयी थी, जो बस दिखने में भारतीय लगती थी, पर वह यहीं पैदा हुई और पली-बढ़ी थी। इस पीढ़ी ने भेदभाव का सामना किया और अपने साथ होने वाले भेदभाव की रिपोर्ट भी करने लगे। इसी दौरान, 2001 में 11 सितंबर की घटना हुई तथा अरबी और भारतीय लोगों, खास कर सिक्खों के साथ मारपीट की कई घटनाएं हुईं। बीसेक साल बीतने पर ऐसी घटनाएं कम हुईं लेकिन अमेरिका में राइट विंग के उभार के साथ एक बार फिर भारतीय लोगों के साथ भेदभाव और नस्ली हिंसा में तेजी आयी। पिछले दिनों कैलिफोर्निया में एक ही परिवार के चार सदस्यों की हत्या हुई। पुलिस का कहना है कि हत्यारा मानसिक रूप से परेशान है, लेकिन इसकी जड़ में नस्ली भेदभाव होने को नकारा नहीं जा सकता है।

2017 में ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के कुछ समय बाद केन्सास के एक रेस्तरां में एक भारतीय युवक की हत्या कर दी गयी थी और वहां ऐसे नारे लगे थे कि बाहरी लोग हमारे देश से निकल जाओ। ऐसी घटनाएं आम तो नहीं हुईं लेकिन गाली-गलौज, मारपीट की घटनाएं, त्वचा के रंग को लेकर टिप्पणियां आदि होती रही हैं। 2020 में भारतीय लोगों के बीच हुए एक सर्वे में यह बात सामने आयी है कि हर दो में से एक भारतीय को अपने रंग के कारण भद्दी टिप्पणियों या भेदभाव का सामना करना पड़ता है। इंडियन-अमेरिकन एटीट्यूड सर्वे में कई चौंकाने वाली बातें सामने आयी हैं। सर्वे करने वाले बताते हैं कि सत्तर और अस्सी के दशक में न्यूयॉर्क में भारतीयों के साथ मारपीट की कई घटनाएं हुईं, लेकिन उन्हें मीडिया में बड़ा मुद्दा नहीं बनाया गया। सर्वे के अनुसार करीब 31 प्रतिशत लोगों का मानना था कि भारतीयों के खिलाफ भेदभाव एक बड़ा मुद्दा है, जबकि बाकी लोगों के अनुसार इसे एक छोटी समस्या के रूप में देखा जाना चाहिए। सर्वे के अनुसार भारतीय मुस्लिम महिलाओं को सबसे अधिक भेदभाव का सामना करना पड़ता है और ऐसा करने वाले ज्यादातर गैर भारतीय होते हैं। भारतीयों के साथ भेदभाव की बड़ी वजह अमेरिका में उनका सफल होना भी है। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों की औसत आय पचासी हजार डॉलर सालाना है जबकि बाकी अमेरिका की औसत सालाना आय चालीस हजार डॉलर है। इसका कारण यह है कि यहां अधिकतर भारतीय अच्छे पेशों में अच्छे वेतन पर आये और फिर उनके बच्चों ने डॉक्टरी, इंजीनियरिंग या ऐसे पेशों को अपनाया, जिनमें अधिक पैसा था। आम तौर पर भारतीय लोगों के बारे में राय है कि वे अपने बच्चों को कॉलेज की शिक्षा जरूर देते हैं और उनके बच्चे पढ़ने-लिखने में अच्छे होते हैं। भारतीय लोगों में अपने ही लोगों के साथ रहने का एक चलन भी उन्हें अमेरिकी समाज से थोड़ा अलग-थलग करता है। अमेरिका के हर शहर में जहां भी भारतीय लोगों की संख्या अधिक है, वे एक ही इलाके में रहना पसंद करते हैं, जिसका कारण अच्छे स्कूल और जान-पहचान के लोगों का पड़ोसी होना बताया जाता है। ऐसे में भारतीय बच्चों और परिवारों का अमेरिकी मूल के लोगों के साथ उठना-बैठना या उस संस्कृति में घुलना अच्छे से नहीं हो पाता। इन सब कारणों के बीच अमेरिका में जब से राइट विंग राजनीति का उभार हुआ है, तो ऐसी राजनीति को सपोर्ट करने वाले ये भी मानने लगे हैं कि भारतीय लोग सारी अच्छी नौकरियां ले लेते हैं और उनके लिए कम विकल्प बचते हैं। हालांकि यह गलत धारणा है। इसके कारण आम अमेरिकी के मन में भारतीय लोगों के लिए नफरत पैदा होने की आशंका बढ़ गयी है जो गाली गलौज, मारपीट या यहां तक कि हत्या के रूप में तब्दील होती दिखती है। यह दुखद है कि नस्ली हिंसा के मामले में जहां अमेरिकी मीडिया अश्वेत लोगों के खिलाफ होने वाले भेदभाव को अत्यंत गंभीरता से लेता है, वहीं भारतीय लोगों के साथ होने वाले भेदभाव पर मीडिया में वैसी तत्परता नहीं दिखती है। इसका एक कारण भारतीयों की संख्या का कम होना हो सकता है। कैलिफोर्निया में हुए हालिया हत्याकांड के बाद उम्मीद की जा रही है कि भारतीयों के खिलाफ हो रहे भेदभाव और हिंसा की घटनाओं को भी मीडिया गंभीरता से लेगा।

अब जब काफी काम ऑनलाइन हो रहे हैं, तो इस वक्त फोन से खुद को दूर करना चुनौती है, लेकिन आंखों को आराम जरूर दें।

आपकी आंखों में भी अक्सर होती है जलन तो करें ये उपाय

लैपटॉप, मोबाइल, टैब या फिर स्मार्ट टीवी ने हमारी ज़िंदगी आसान और बेहतर जरूर बनाई है लेकिन साथ ही कई बीमारियों की वजह भी बन रहे हैं। खासतौर पर हमारी आंखों को काफी नुकसान पहुंच रहा है। दिनभर लैपटॉप के उपयोग के बाद जब तक सो नहीं जाते तब तक मोबाइल का इस्तेमाल आंखों को कमज़ोर बना रहा है। सर्वे से भी पता चलता है कि हम सभी का स्क्रीन टाइम लगातार बढ़ रहा है। बच्चों से लेकर बुज़ुर्ग, फोन, लैपटॉप या टैब पर काफी ज्यादा वक्त बिताने लगे हैं। यह आदत कोरोना के समय में और भी ज्यादा हो गई है। जब कोरोना में लोग घर पर थे तो बच्चों की लैपटॉप पर पढ़ाई, लोगों के वर्क फॉम होम और टाइम पास के लिए मोबाइल के यूज ने स्क्रीन टाइम बढ़ा दिया। इसका असर हुआ सीधे आंखों पर और लोगों को आंखों में खुजली, ड्राइनेस जैसी कई दिक्कते होने लगीं। शार्प साईट आई हॉस्पिटल्स में सीनियर कंसल्टेंट डॉ. प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि, इसके साथ डॉक्टर्स को देखने को मिल रहा है कि आंखों में जलन के मरीज बढ़ रहे हैं। अब लोगों के आंखों में जलन की दिक्कत हो रही है, जो स्क्रीन टाइम के अलावा अन्य कारणों से भी हो रही है। ऐसे में आपको बताते हैं कि आंखों में जलन के क्या कारण हैं और किस वजह से जलन हो रही है।

आंखों को हेल्दी रखने के लिए क्या करें?

हमारी आंखें भी अन्य अंगों की तरह ज़रूरी है, इसिए इनका खास ख्याल रखना ज़रूरी है। अब जब काफी काम ऑनलाइन हो रहे हैं, तो इस वक्त फोन से खुद को दूर करना चुनौती है, लेकिन आंखों को आराम जरूर दें। इसके लिए...

- अपनी आंखों को लुब्रिकेट करें।
- आंखों को साफ रखें और हाइड्रेट रखें।
- इसके साथ ही आंखों पर पड़ने वाले स्ट्रेस को कम करें।
- इसके लिए दिन में मोबाइल, टैब या टीवी देखने का समय तय करें।
- लैपटॉप का इस्तेमाल करते वक्त हर आधे घंटे पर आंखों को रेस्ट दें।
- समय-समय पर आंखों की पलकों को ज़रूर झपकाएं।
- नियमित तौर पर आई-टेस्ट ज़रूर कराएं।
- वैसे तो ऊपर बताए गए कारणों से बचकर आप आंखों की कई दिक्कतों को दूर सकते हैं। आंखों में किसी भी तरह की दिक्कत होने पर इसे हल्के में न लें और इनका पूरा ख्याल रखें। अपनी आंखों को जोखिम में न डालें और समय-समय पर इसका विशेष ध्यान रखें।

डॉक्टर्स की सलाह

1. डॉक्टर्स के अनुसार, स्क्रीन पर लगातार देखते समय हम पलकें नहीं झपकाते। लगातार एक जगह फोकस करना जलन, खुजली का कारण बनता है। इसलिए जब भी स्क्रीन पर कुछ देखें तो अपनी पलकें झपकाते रहें।
2. देर रात फोन चलाने की वजह से नींद का समय अस्त-व्यस्त हो रहा है, या फिर नींद पूरी नहीं हो रही है, इसलिए आंखों को आराम ज़रूर दें।
3. आंखों में गंदगी और प्रदूषकों की वजह से जलन हो सकती है।
4. आखों में कोई इंफेक्शन होने से ये दिक्कत होती है।
5. सही नंबर का चश्मा न लगाने ये परेशानी हो सकती है।
6. अगर आप धूम्रपान करते हैं या इसके संपर्क में रहते हैं, तो आंख में जलन हो सकती है।
7. गलत ब्यूटी प्रोडक्ट्स से भी ये दिक्कत शुरू हो सकती है।

हंसना मना है

कंजूस आदमी पंडित जी को कम पैसे देते हुए... कोई ऐसा उपाय बताइए कि पैसा ही पैसा हो जाए... पंडित जी- चिंता मत करो बालक एक ऐसा मंत्र बताउंगा जितनी बार बोलोगे उतनी बार धन की प्राप्ति होगी... रोज किसी चौक-चौराहे पर जाओ और बोलो भगवान के नाम पर दे दे रे बाबा।

संता पिंकी से- एक ही कपड़े पहनकर रोज घूमती हो, अजीब नहीं लगता? पिंकी- यह मेरी ऑफिस यूनिफार्म है बेरोजगार आदमी।

डॉक्टर के पास पहुंच पप्पू, बोला मैं बीमार हूं डॉक्टर ने पप्पू से कहा- आपकी एक किडनी फेल हो गई है... पप्पू रोने लगा, और कुछ देर बाद आंसू पोंछते हुए बोला.....ये तो बता दीजिये डॉक्टर साहब कि मेरी किडनी आखिर कितने नंबर फेल से हुई ?

शाम को पति के घर आते ही पत्नी ने किच-किच शुरू कर दी। परेशान पति- अरे यार दिनभर का थका-हारा आया हूं। पहले फ्रेश तो होने दो। पत्नी- मैं भी तो दिनभर अकेली थी, तो मैं भी फ्रेश ही हो रही हूं।

संता ने बंता से पूछा शादीशुदा लड़की और शादीशुदा लड़का में क्या अंतर है? बंता- मंगलसूत्र लटका हो तो लड़की शादीशुदा और मुंह लटका हो तो लड़का शादीशुदा...!

पिता- बेटा आज तक तूने कोई ऐसा काम किया है, जिससे मेरा सर ऊंचा हो? बेटा- जी हां पापा एक बार आपके सर के नीचे तकिया रखा था। पिता जवाब सुन कर अब तक हैरान है।

कहानी | चांद पर खरगोश

गंगा के किनारे एक वन में एक खरगोश रहता था। उसके तीन मित्र थे - बंदर, सियार और ऊदबिलाव। चारों ही मित्र दानवीर बनना चाहते थे। एक दिन बातचीत के क्रम में उन्होंने उपोसथ के दिन परम-दान का निर्णय लिया क्योंकि उस दिन के दान का संपूर्ण फल प्राप्त होता है। ऐसी बौद्धों की अवधारणा रही है। (उपोसथ बौद्धों के धार्मिक महोत्सव का दिन होता है) जब उपोसथ का दिन आया तो सुबह-सवेरे सारे ही मित्र भोजन की तलाश में अपने-अपने घरों से बाहर निकले। घूमते हुए ऊदबिलाव की नजर जब गंगा तट पर रखी सात लोहित मछलियों पर पड़ी तो वह उन्हें अपने घर ले आया। उसी समय सियार भी कहीं से दही की एक हांडी और मांस का एक टुकड़ा चुरा, अपने घर को लौट आया। उछलता-कूदता बंदर भी किसी बाग से पके आम का गुच्छा तोड़, अपने घर ले आया। तीनों मित्रों ने उन्हीं वस्तुओं को दान में देने का संकल्प लिया। किन्तु उनका चौथा मित्र खरगोश तो कोई साधारण प्राणी नहीं था। उसने सोचा यदि वह अपने भोजन अर्थात् घास-पात का दान जो करे तो दान पाने वाले को शायद ही कुछ लाभ होगा। अत- उसने उपोसथ के अवसर पर याचक को परम संतुष्ट करने के उद्देश्य से स्वयं को ही दान में देने का निर्णय लिया। उसके स्वयं के त्याग का निर्णय संपूर्ण ब्रह्माण्ड को दोलायमान करने लगा और सिक्का के आसन को भी तप्त करने लगा। वैदिक परम्परा में सक्क को शक्र या इन्द्र कहते हैं। सक्क ने जब इस अति अलौकिक घटना का कारण जाना तो सन्यासी के रुप में वह उन चारों मित्रों की दान-परायणता की परीक्षा लेने स्वयं ही उनके घरों पर पहुंचे। ऊदबिलाव, सियार और बंदर ने सक्क को अपने-अपने घरों से क्रमशः मछलियां; मांस और दही एवं पके आम के गुच्छे दान में देना चाहा। किन्तु सक्क ने उनके द्वारा दी गयी दान को वस्तुओं को ग्रहण नहीं किया। फिर वह खरगोश के पास पहुंचे और दान की याचना की। खरगोश ने दान के उपयुक्त अवसर को जान याचक को अपने संपूर्ण शरीर के मांस को अंगीठी में सेंक कर देने का प्रस्ताव रखा। जब अंगीठी जलायी गयी तो उसने तीन बार अपने रोमों को झटका ताकि उसके रोमों में बसे छोटे जीव आग में न जल जाएँ। फिर वह बड़ी शालीनता के साथ जलती आग में कूद पड़ा। सक्क उसकी दानवीरता पर स्तब्ध हो उठे। चिरकाल तक उसने ऐसी दानवीरता न देखी थी और न ही सुनी थी। हां, आश्चर्य ! आग ने खरगोश को नहीं जलाया क्योंकि वह आग जादुई थी; सक्क के द्वारा किये गये परीक्षण का एक माया-जाल था। सम्मोहित सक्क ने तब खरगोश का प्रशस्ति गान किया और चांद के ही एक पर्वत को अपने हाथों से मसल, चांद पर खरगोश का निशान बना दिया और कहा, जब तक इस चांद पर खरगोश का निशान रहेगा तब तक हे खरगोश ! जगत् तुम्हारी दान-वीरता को याद रखेगा।

8 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

कुछ तनाव और मतभेद आपको चिड़चिड़ा और बेचैन बना सकते हैं। आप ऐसे स्रोत से धन अर्जित कर सकते हैं, जिसके बारे में आपने पहले सोचा तक न हो।

वृषभ

आज का दिन कार्यक्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला रहेगा। माता-पिता के साथ आपके संबंध बेहतर होंगे। कोर्ट-कचहरी के किसी मामले में फैसला आपके पक्ष में रहेगा।

मिथुन

आज आपको अच्छे समाचार मिल सकते हैं। धन लाभ की संभावनाएं हैं। आपके पास बहुत काम बकाया है जैसी भी स्थिति हो आप यह सब काम प्रभावी तरीके से पूरा कर लेंगे।

कर्क

स्वास्थ्य के लिहाज से बहुत अच्छा दिन है। आपकी खुशमिजाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें।

सिंह

आज परिवार वालों के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताने का मौका मिलेगा। इस राशि के बुक सैलर के लिए आज का दिन लाभ दिलाने वाला हो सकता है।

कन्या

अटकने के बाद काम बनेंगे। गृहस्थी में समस्या हो सकती है। नौकरीपेशा जातकों के लिए भी रैंक और पारिश्रमिक के संबंध में सुधार संभव है।

तुला

आज आप खुद को सुकून में और जिंदगी का लुत्फ उठाने के लिए सही मनोदशा में पाएंगे। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी।

वृश्चिक

आज ऑफिस में बड़े अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आमदनी में इज़ाफ़ा होने के आसार नज़र आ रहे हैं। पूरे दिन खुद को तरोताज़ा महसूस करेंगे।

धनु

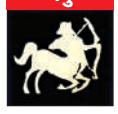

आज व्यापार के क्षेत्र में आप अलग पहचान बनाने में कामयाब होंगे। बच्चे खुशी का स्रोत होंगे। हालांकि, मां का स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित हो सकता है।

मकर

आज अपनी सेहत के चिंता करने की कतई जरूरत नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। मित्रों से अच्छा व्यवहार करें।

कुम्भ

पुरानी पहचान का फायदा मिलेगा। रूके हुए सारे काम पूरे हो जायेंगे। भाई-बहनों के सहयोग से किसी भी काम को शुरू करेंगे, तो उसमें आपको तरक्की जरूर मिलेगी।

मीन

आज आप जीवन के प्रति आपके नजरिये में सकारात्मक बदलाव लाएंगे। परिवार के सदस्यों के साथ छोटी यात्राओं या भ्रमण की योजना बन सकती है।

छोटा पर्दा | मन की बात

'दिशा पूरी तरह ठीक हैं किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें'

तारक मेहता का उल्टा चश्मा की दयाबेन यानी दिशा वकानी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। कहा जा रहा है कि उन्हें गले का कैंसर हो गया है। इस खबर को सुनने के बाद हर कोई शॉक्ड है। लेकिन अब दिशा के भाई मयूर ने इस पर रिएक्ट करते हुए इन्हें अफवाह बताया है। साथ ही उन्होंने लोगों से गुजारिश की है कि इन बातों पर यकीन न करें। हांलाकि अब तक इस खबर पर दिशा वकानी का कोई स्टेटमेंट नहीं आया है। मयूर कहते हैं, ये पूरी तरह से अफवाह है और मैं उनके फैंस से रिक्वेस्ट करता हूं कि वो इस तरह की अफवाहों पर विश्वास न करें और इससे बिल्कुल न घबराएं। मैं दिशा के संपर्क में हूं और अगर इस कैंसर की खबर में कोई सच्चाई होती, तो मैं इसे जानने वाला पहला इंसान होता। दिशा पूरी तरह से ठीक हैं और सच कहूं तो उन्हें पता है कि अफवाहों से कैसे डिल करना है। दिलीप जोशी इस खबर पर रिएक्ट करते हुए कहते हैं, मुझे सुबह से लगातार कॉल्स आ रहे हैं। मुझे लगता है इसको बढ़ावा देने की जरुरत नहीं है। मैं बस इतना कहूंगा कि ये सब अफवाह है। आप सब लोग ऐसी खबरों पर ध्यान न दें। दिशा की को-स्टार जेनिफर मिस्त्री, जो शो में रोशन की भूमिका निभाती हैं, वो दिशा के घर के पास रहती हैं और इस बारे में बात करते हुए कहती हैं, मैं इस खबर से शॉक्ड हूं, मुझे उम्मीद है कि ये सिर्फ एक अफवाह है। मेरी बेटी और दिशा की बेटी एक ही स्कूल में पढ़ती हैं और हम मैसेज के जरिए एक-दूसरे के कॉन्टैक्ट में रहते हैं। दरअसल, पिछले महीने हमने तारक मेहता के कलाकारों के साथ एक वीडियो कॉल की थी और उस समय तक वो फिट लग रही थीं। दिशा की बात करें तो वो 2008 से तारक मेहता का उल्टा चश्मा में काम कर रही थीं। उन्होंने सितंबर 2017 में मैटरनिटी लीव ली थी और तब कहा जा रहा था कि वो 5 महीने बाद शो में वापसी कर लेंगी। फिर नवंबर 2017 में दिशा ने बेटी को जन्म दिया, लेकिन शो से लीव लिए हुए उन्हें पूरे 5 साल हो गए।

अमिताभ में आज भी नहीं आया कोई बदलाव : हेमा मालिनी

बॉलीवुड | मसाला

ली जेंड्री एक्ट्रेस हेमा मालिनी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के बारे में बात की। हेमा ने कहा है कि अमिताभ आज भी वैसे ही हैं जैसे पहले थे। हेमा ने कहा है कि जब उन्होंने पहली बार अमिताभ को उनके फिल्म के सेट पर देखा तो वो काफी शांत थे। हेमा का कहना है कि इतने सालों के बाद भी उन्होंने अमिताभ के व्यक्तित्व में कोई बदलाव नहीं देखा है। उनका कहना है कि वो अपने आप को बेहद भाग्यशाली मानती हैं कि उन्होंने अपने करियर में अमिताभ के साथ इतनी फिल्मों में काम किया है। हेमा ने ये भी कहा कि अमिताभ अपनी पीढ़ी के उन चुनिंदा एक्टर्स में से थे जो एक्सप्लोर करने के लिए हमेशा तैयार रहते थे।

हाल में ही 80 साल के हुए एक्टर अमिताभ बच्चन के साथ अपने अनुभवों के बारे में मीडिया से बातचीत करते हुए हेमा ने बताया – जब पहली बार हम दोनो सेट पर मिले तो वे बिल्कुल शांत रहते थे। धीरे धीरे हमारे बीच बातचीत होनी शुरू हुई। अमिताभ उस समय न्यूकमर थे और अपने प्रोजेक्ट्स के लिए प्रोड्यूसर्स और डायरेक्टर्स से मिल रहे थे। अमिताभ ने मुझसे बताया था कि उन्होंने मुझे पहली बार अभिनेत्री (1970) के सेट पर देखा था।

उसके बाद से लेकर अभी तक हम दोनो ने एक साथ कई फिल्मों में काम किया है। बीच में एक छोटे से गैप के बाद हम दोनो ने एक साथ बागबान में काम किया। बागबान करते समय मैं काफी ज्यादें नर्वस थी तो उन्होंने मुझसे कहा कि घबराओं नहीं क्योंकि मैं भी उसी नाव पर हूं जिस नाव पर आप हैं ,हम दोनो साथ मिलकर साथ काम कर लेंगे। हेमा ने अपने इंटरव्यू में आगे कहा कि अमिताभ अपनी पीढ़ी के अन्य एक्टर्स की तुलना में एक्सप्लोर करने के लिए हमेशा तैयार रहते थे। उन्होंने अपने बातचीत के दौरान आगे कहा इतनी सफलता मिलने के बावजूद उनमें आज भी कोई बदलाव नहीं आया है। वो आज भी वैसे ही है जैसे पहले थे।बस उनके बाल जरूर पहले से थोड़े और सफेद हो गए है। वो आज भी बहुत शरारतें करते हैं लेकिन कभी कभी गुस्सा भी करते हैं। वो आज भी किसी फिल्म के सेट पर आतें है तो अपनी पर्सनैलिटी से वहां का माहौल बदल देते हैं।

तलाक के बाद ईशा रीखी को डेट कर रहे हैं बादशाह

रैपर और सिंगर बादशाह पहली पत्नी जैसमिन से 2 साल पहले अलग हो चुके हैं। तलाक के बाद अभी तक रैपर लोगों के बीच सिंगल का टैग लगाए हुए थे। लेकिन अब खबरें आ रही हैं कि वो पंजाबी एक्ट्रेस ईशा रिखी को डेट कर रहे हैं। इतना ही नहीं, खबरें हैं कि बादशाह ईशा को करीब 1 साल से डेट कर रहे हैं, लेकिन अपने पर्सनल रीजन के चलते हैं वो इस रिलेशनशिप को प्राइवेट ही रखना चाहते हैं।

बादशाह ने खुद को बताया था सिंगल : रैपर बादशाह कुछ दिनों पहले वेब सीरीज फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स में नजर आए थे। इस वेब सीरीज में उनका कैमियो था। बातचीत के दौरान बादशाह ने खुद को सिंगल बताया था, जिसके बाद अब खबरें आ रही हैं कि बादशाह पंजाबी एक्ट्रेस को करीब एक साल से डेट कर हैं। पिंकविला की रिपोर्ट्स् की मानें तो दोनों की दोस्त की पार्टी में पहली बार एक-दूसरे से मिले थे, जिसके बाद से बादशाह ईशा के साथ रिलेशनशिप में हैं। मीडिया सोर्स की मानें तो बादशाह ने रिलेशनशिप के बारे में अपने घरवालों को भी बता दिया है। उनके घरवाले इस रिश्ते से बेहद खुश हैं।

अजब-गजब | जानिए कौन होता है ज्यादा ताकतवर

आखिर चीते और शेर में क्यों है दुश्मनी?

भारत में साल 1947 में आखिरी बार चीता को देखा गया था, जिसके बाद भारत सरकार ने साल 1952 में चीतों को विलुप्त घोषित कर दिया था। लेकिन अब लंबे समय बाद एक बार फिर देश में चीते देखने को मिलेंगे। भारत के जंगलों में अभी तक हमें शेर, बाघ और तेंदुए जैसे खतरनाक जानवर देखने को मिलते थे, लेकिन अब अफ्रीकी देश नामीबिया से आठ चीते भारत लाए गए हैं जिनमें पांच मादा हैं और तीन नर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (Narendra Modi) ने अपने जन्मदिन के मौके पर 17 सितंबर को इन चीतों को मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क (Kuno National Park) में छोड़ा था। इन दिनों हर तरफ चीतों की चर्चा हो रही है। जगल में रहने वाले शेर, बाघ, तेंदुआ और चीता बेहद शक्तिशाली और खतरनाक होते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं चीतों को शेर अपना दुश्मन मानता है? आइए जानते हैं कि आखिर चीता को शेर अपना दुश्मन क्यों मानता है? दुनिया में चीता सबसे तेज दौड़ने वाला जानवर है। आमतौर पर चीता 110 से 112 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ लगाता है, लेकिन इसकी दौड़ने की अधिकतम रफ्तार 120 किमी प्रतिघंटे हो सकती है। लेकिन चीता अधिकतम गति में सिर्फ एक मिनट दौड़ पाता है। चीतों के बारे में तो आपने अब तक बहुत कुछ पढ़ और जान लिया होगा। लेकिन अगर

शेर और चीते के बीच लड़ाई होगी तो जीत किसकी होगी? चीते और शेर के बीच जंग की वजह बेहद खास है। शेर सोचता है कि अगर चीता जीवित रहा तो उसका शिकार खा जाएगा और चीता को लगता है कि शेर जीवित रहा तो वो उसका शिकार खा जाएगा। जंगल का राजा शेर बेहद ताकतवर होता है और मौका मिलते है चीता का शिकार कर सकता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, जगंल में रहने वाले दोनों जानवर एक दूसरे को पसंद नहीं करते हैं। मौका मिलते ही चीते को शेर मार सकता है और शेर को चीता मार सकता है। ऐसे में चीते और शेर के बीच मारने के लिए लड़ाई शुरू हो जाती है।

पत्नी के छूते ही पति का धड़कने लगा दिल, डॉक्टरों ने बता दिया था मृत

दुनिया में कई मामले ऐसे देखने को मिले हैं जिनमें इंसान मरने के बाद भी जिंदा हुआ है। अब एक बार फिर एक ऐसा ही मामला सामने आया है जिसके बारे में जानकर आप हैरान हो जाएंगे। डॉक्टरों ने एक शख्स को मरा हुआ बता दिया था जिसके बाद उसके ऑर्गन्स डोनेशन के लिए निकाले जाने की तैयारी चल रही थी। लेकिन शख्स अपना पैर हिलाया और उसकी धड़कने चलने लगीं। फिर डॉक्टरों ने बताया कि उसकी मौत नहीं हुई है, बल्कि वह गहरे कोमा में है। इस समय शख्स अस्पताल में है और उसकी हालत गंभीर है। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना का यह पूरा मामला है। शख्स का नाम रयान मार्लो है जिनके तीन बच्चे हैं। रयान मार्लो को परिजनों ने बीते महीने इमरजेंसी डिपार्टमेंट में भर्ती कराया था जो लिस्टीरिया बीमारी से ग्रसित थे। इसके बाद रयान के दिमाग में सूजन आ गई और वह कोमा में चले गए जिसके बाद डॉक्टरों ने 27 अगस्त को ब्रेन डेड बता दिया था। नॉर्थ कैरोलिना में कानून बनाया गया है कि अगर किसी इंसान का दिमाग काम करना बंद कर दिया है, तो उनको मृत घोषित कर सकते हैं। इसके मामले पर रयान मार्लो की पत्नी मेघन ने बताया कि डॉक्टर ने बाहर आकर बताया कि आपके पति की मौत हो चुकी है और उनकी न्यूरोलॉजिकल डेथ हुई है। डॉक्टर ने पत्नी मेघन को बताया कि चार्ट पर मौत का समय लिखा गया है। इसके बाद मेघन ने डॉक्टरों को जानकारी दी कि उनके पति ऑर्गन डोनर हैं जिसके बाद डोनेशन की तैयारी शुरू की गई थी। इसके बाद मेघन घर चली गई थीं। उनका दावा है कि फिर दो दिन बाद डॉक्टरों का फोन आया और उन्होंने बताया कि असल में रयान ट्रॉमेटिक ब्रेन डैमेज से पीड़ित थे जिसकी वजह से डॉक्टरों ने उनकी मौत का समय 27 अगस्त की जगह 30 अगस्त कर दिया। मेघन के मुताबिक, डॉक्टरों से गलती हो गई थी। उनको डॉक्टरों ने बताया कि रयान की मौत नहीं हुई थी न्यूरोलॉजिकल डेथ भी नहीं हुई थी। उन्होंने पूछा कि इसका मतलब क्या है? तब डॉक्टरों ने बताया कि दरअसल, ट्रॉमेटिक ब्रेन स्टेम इंज्यूरी से पीड़ित थे और वह ब्रेन डेड ही थे। इसके बाद दूसरे दिन सुबह उनको लाइफ सपोर्ट से हटाकर ऑर्गेन्स निकाले जाने थे, लेकिन सर्जरी से पहले रयान के पास मेघन भतीजा पहुंचा और रयान का बच्चों के साथ खेलता हुआ वीडियो चलाया गया। वीडियो चलते ही रयान हिलने लगे और मेघन रोने लगीं।

इटालिया की हिरासत को लेकर केजरीवाल का भाजपा पर हमला, कहा

पटेल समाज में रोष, इटालिया को छोड़ना गुजरात के लोगों की जीत

दिल्ली पुलिस ने तीन घंटे की पूछताछ, पीएम पर की थी आपत्तिजनक टिप्पणी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुजरात के आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष गोपाल इटालिया को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लेने के तीन घंटे बाद छोड़ दिया है, जिसके बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि गुजरात के लोगों के भारी दबाव के चलते दिल्ली पुलिस को गोपाल इटालिया को छोड़ना पड़ा। यह गुजरात के लोगों की जीत हुई। इसके पहले केजरीवाल ने ट्वीट किया था कि भाजपा इटालिया के पीछे क्यों पड़ी है और उनकी गिरफ्तारी से गुजरात के पटेल समाज में रोष है।

गोपाल इटालिया पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है, इस बाबत एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि दिल्ली पुलिस गोपाल इटालिया को सरिता विहार थाने लेकर गई थी, जहां पर उनसे पूछताछ की गई। प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने गोपाल इटालिया को दिल्ली में अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया था। यहां पर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के दौरान गोपाल इटालिया को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया था। उन्हें तीन घंटे बाद छोड़ दिया गया। गौरतलब है कि गुजरात के आप अध्यक्ष गोपाल इटालिया आपत्तिजनक टिप्पणियों और बयानों के चलते लगातार विवादों में है। पिछले दिनों एक वीडियो भी सामने आया था। गोपाल इटालिया वीडियो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते नजर आ रहे हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो हंगामा मच गया। भाजपा नेता गोपाल इटालिया पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इसी साल गुजरात विधान सभा चुनाव होना है। इसको लेकर तकरीबन एक साल से आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच राजनीतिक जंग जारी है।

ईरानी ने साधा निशाना

पीएम मोदी की मां हीराबेन पर आम आदमी पार्टी (आप) के गुजरात चीफ गोपाल इटालिया की विवादित टिप्पणी को लेकर भाजपा ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर जोरदार प्रहार किया है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा है कि आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के आदेश पर ही पीएम मोदी की मां का अपमान किया गया। स्मृति ने कहा कि शब्द भले ही इटालिया के थे लेकिन आदेश केजरीवाल का था। उन्होंने यह भी चुनौती दी कि केजरीवाल गुजरात की धरती पर पीएम की मां पर इस तरह टिप्पणी करके बताएं, गुजरात की जनता उन्हें जवाब देगी। आप का एक नेता एक 100 वर्षीय महिला का अपमान इसलिए करता है क्योंकि उस मां ने ऐसे बेटे को जन्म दिया जिसने देश का आशीर्वाद पाकर प्रधानसेवक के दायित्व का निर्वहन किया।

भाजपा कठपुतली जिसे चलाती है आरएसएस : ललन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा है कि भाजपा कठपुतली है जिसे आरएसएस चला रही है। भाजपा का चेहरा दिखाने वाला कुछ व असल में कुछ और है।

आरक्षण विरोधी भाजपा का पोल खोल कार्यक्रम के तहत पटना के गांधी मैदान में आयोजित धरना को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 में प्रदेश की सेवा का अवसर जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मिला तो उन्होंने तुरंत सर्वदलीय बैठक बुलाकर पंचायती राज व्यवस्था और नगर निकायों में अति पिछड़े वर्ग के लोगों तथा सभी वर्ग की महिलाओं को आरक्षण दिया। उन्होंने कहा कि देश अभूतपूर्व महंगाई के दौर से गुजर रहा है और केंद्र खाद्य पदार्थ पर जीएसटी लगा रहा है। बेरोजगारी और महंगाई पर कोई चर्चा नहीं कर रहा। आज अगर लोकनायक जीवित होते तो इन के खिलाफ आंदोलन करते। जदयू अध्यक्ष ने दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अतिपछड़ा वर्ग को राज्य में सशक्त किया है। उनके रहते इस वर्ग की चिंता छोड़ दीजिए। नीतीश कुमार अतिपछड़ों की रक्षा में खड़े हैं। बिहार में कोई बिना आरक्षण के निकाय चुनाव नहीं करा सकता है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता केदार सिंह फोनिया का निधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री केदार सिंह फोनिया का आज निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे। केदार सिंह फोनिया उत्तराखंड की राजनीति में दो दशक से भी ज्यादा समय तक सक्रिय रहे। वे उत्तराखंड के साथ ही उत्तर प्रदेश में भी कैबिनेट मंत्री रह चुके थे। उन्होंने उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलन में भी अहम भूमिका निभाई थी। उनके निधन की खबर से प्रदेश भाजपा में शोक की लहर है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उनके निधन पर शोक जताया। उन्होंने ट्वीटर पर पोस्ट करते हुए लिखा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री केदार सिंह फोनिया के निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। भगवान दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिवार को यह असीम कष्ट सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

नोएडा : साउथ इंडियन बैंक में जालसाजी, खाते से उड़ाए रुपये

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» फर्जी हस्ताक्षर के जरिए डॉ. विवेक कुमार गिरि के खाते से निकाले गए दो लाख

» पीड़ित ने बैककर्मियों और अधिकारियों पर लगाया मिलीभगत का आरोप, एफआईआर

नोएडा। नोएडा में साउथ इंडियन बैंक शाखा में जालसाजी का बड़ा मामला सामने आया है। एलोपेसिया हर्बल ट्रीटमेंट सेंटर के डॉ. विवेक कुमार गिरि के खाते से फर्जी हस्ताक्षर के जरिए दो लाख निकाल लिए गए। इस मामले में डॉ. गिरी ने बैंक के अधिकारियों और कर्मियों पर मिलीभगत कर जालसाजी का आरोप लगाते हुए थाना नोएडा सेक्टर 20 गौतमबुद्धनगर में एफआईआर दर्ज करायी है। साथ ही अपना पैसा वापस दिलाने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित डॉ. विवेक कुमार गिरि ने एफआईआर में लिखा है कि मुझे लोन की जरूर थी लिहाजा मैने कई बैंकिग पोर्टल पर अपनी क्वैरी जेनरेट की थी। इसी दौरान 29 जुलाई को राजीव नाम के व्यक्ति का फोन आया। उसने अपने को एचडीएफसी बैंक कर्मी बताते हुए कहा कि आपके सिबिल स्कोर को देखते हुए बैंक आपको ओडी लिमिट दे रहा। क्या आप इसे बढ़वाना चाहेंगे। मेरे हां कहने पर उसने मुझसे डॉक्यूमेंट मांगे। 23 अगस्त को उसका फोन फिर आया। इसके बाद दो लोग आए। उन्होंने मुझसे बैंकिंग फॉर्म पर साइन करवाया। 6 महीने की करेंट अकाउंट की स्टेटमेंट और तीन फोटो, आधार कार्ड व पैन कार्ड की कापी और तीन कैंसिल चेक लेकर गए। वे सितंबर में फाइल लॉगिन करने को कहते हैं मैंने स्वीकृति दे दी। उसके बाद अचानक 27 सितंबर को एक चेक लगता है और मेरे पास मैसेज आता है कि आपके खाते से दो लाख निकाले गए हैं। मेरा खाता प्रोपराइटर फर्म के नाम पर साउथ इंडियन बैंक ब्रांच सेक्टर 27 नोएडा में मार्च 2022 में खोला गया। मेरे कैंसल चेक द्वारा फर्जीवाड़ा करके विनोद गिरि द्वारा दो लाख रुपए का चेक लगाता है। बैंक अधिकारियों द्वारा मुझे इसकी कोई सूचना दी गई। मेरे पूछताछ पर बैंक कर्मी कहते हैं कि आपके सिग्नेचर सही थे इसलिए रुपये दे दिए जबकि फ्राड रोकने के लिए आरबीआई के नियमों की धज्जियां उड़ाई गई। आशीष झा ब्रांच मैनेजर ,मिसेज लक्ष्मी और प्रज्ञा प्रमाणिक के इस घोर अनुशासनहीनता और आरबीआई के नियमो के उलंघन की वजह से मेरा आर्थिक नुकसान हुआ है। साथ ही उन्होंने कहा कि मैं मानसिक रूप से प्रताड़ित महसूस कर रहा हूं और यदि कुछ होता है तो इसका जिम्मेदार साउथ इंडियन बैंक , इसके ब्रांच मेनेजर आशीष झा , प्रज्ञा प्रमाणिक और लक्ष्मी तथा इस ब्रांच के समस्त कर्मचारी होंगे।

चांद का दीदार कर पति के लंबी उम्र की कामना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» सुहागिनों ने विधि-विधान से मनाया करवा चौथ

लखनऊ। पति की लंबी उम्र की कामना के साथ गुरुवार को राजधानी में सुहागिनों ने करवा चौथ पर्व मनाया। महिलाओं ने पूरे दिन निर्जल व्रत रखकर भगवान से पति की लंबी उम्र की कामना की। साथ ही पूजा-अर्चना कर करवा चौथ व्रत की कथा का श्रवण किया। विवाहिताओं ने रात को चांद का दीदार कर पिया को निहारा। साथ ही चांद को अर्घ्य देकर पति के हाथ से प्रेम का निवाला खाकर व्रत खोला। सूर्यास्त के बाद ही उनकी नजरें आसमान की ओर लग गई थीं मगर उनकी इच्छा देर शाम पूरी हुई।

महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर ध्यान भटकाना मकसद

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कर्नाटक हिजाब विवाद मामले पर सुप्रीम कोर्ट अपना अंतिम फैसला नहीं सुना पाया। दोनों जजों की राय इस मामले पर अलग-अलग थी, जिसके बाद मामले को बड़ी बेंच को सौंप दिया गया है। अब हिजाब मामले की सुनवाई तीन जजों की बेंच करेगी। बड़ा सवाल उठता हैं कि हिजाब मामले का अंजाम क्या होगा। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार डॉ. अनिल जयहिंद, नावेद शिकोह, सैयद कासिम और अभिषेक कुमार ने एक लंबी परिचर्चा की।

सैयद कासिम ने कहा कि जिसका जो अधिकार है, वो उसे मिलना चाहिए। यह संवैधानिक मामला है। विवाद इस कदर बढ़ चुका है कि अदालत की शरण लेनी पड़ रही है। राजनीति क्यूं हो रही है। चुनावी विवाद है अदालत इस पर जल्द फैसला देगी। डॉ. अनिल जयहिंद ने कहा कि ये सेक्युलरिज्म का मामला है। ये यूरोप से आया है। भारत का सेक्युलरिज्म महात्मा बुद्ध, गांधीजी आदि का है। धर्म की अपनी अलग कहानी है। ये जो देश हैं। सूफी का देश है। कबीर आए, सूर आए, बहुत से लोग आए। अब महंगाई, रोजगार जैसे कई मुद्दों से ध्यान भटकाना है तो यहीं सब मुद्दों को राजनीति में लाएंगे। नावेद शिकोह ने कहा कि जजमेंट, हिजाब, डिबेट, चर्चा और तमाशा, ये कुछ सालों से चल रहा है। इसके पीछे बड़ी लंबी राजनीति है। यहां न तो धर्म है न ही कोई मुद्दा। कुछ ऐसे चीजें पैदा कर दी गई है, बना दी गई है। राजनीति में बैठे लोग इस पर खेल रहे हैं क्योंकि असली मुद्दों से ध्यान भटकाना है। बड़े व गंभीर मुद्दों को छिपाने व बात न करने के लिए यह सब लाते हैं। हिजाब कुछ है ही नहीं। समाज में नफरत फैलाने वाले कुछ जाहिलों ने इसे बदनाम कर रखा है।

ग्रीन गैस लिमिटेड का मतलब अंधों में काना राजा

ग्रीन गैस कंपनी की मनमानी से राजधानी के हजारों परिवार परेशान, नहीं हो रही सुनवाई

» लखनऊ में पीएनजी सप्लाई करने वाली इकलौती कंपनी है ग्रीन गैस लिमिटेड

» बेहद खराब सर्विस को लेकर उपभोक्ता खासे नाराज

चेतन गुप्ता

लखनऊ। राजधानी में पीएनजी की सप्लाई करने वाली ग्रीन गैस लिमिटेड की लापरवाही 75 हजार परिवारों पर भारी पड़ रही है। फॉल्ट या किसी हादसे की सूचना देने के लिए उपभोक्ताओं को घंटों परेशान होना पड़ता है। दर्जनों कॉल करने के बाद फोन उठने पर भी संतोषजनक उत्तर न मिलने पर उपभोक्ता खासे निराश होते है। उच्च प्रबंधन से शिकायत का भी कोई असर नहीं है। प्रबंधन से जुड़े अफसर तो इस कदर लापरवाह है कि उनको अपनी कमी दिखाई नहीं देती बल्कि उपभोक्ताओं पर ही तोहमत मढ़ देते है कि एक साथ सभी लोग कॉल करेंगे तो लाइन व्यस्त बताएगी ही। हैरत तो इस बात की है प्रबंधन इस बात से अच्छे से वाकिफ है बावजूद इसके उनका कहना है कि एक ही समस्या को तमाम लोग फोन कॉल के जरिए बार-बार बताएंगे तो कस्टमर केयर पर बैठा कम्पनी का कर्मचारी झल्लाएगा ही और यही कारण है कि अभद्रता की शिकायतें आती हैं।

गेल इंडिया लिमिटेड और इंडियन ऑयल कारपोरेशन का एक संयुक्त उघम ग्रीन गैस कम्पनी एक करार के तहत लखनऊ और आगरा में पीएनजी की सप्लाई करती है। लखनऊ में करीब 75 हजार व आगरा में करीब 1 लाख घरों तक पीएनजी पहुंच चुकी है।

कस्टमर केयर सर्विस बनी छलावा, प्रबंधन पूरी तरह लापरवाह

लखनऊ की बात करें तो रायबरेली रोड से लेकर राजाजीपुरम, इंदिरानगर, विकास नगर एल्डिको, शारदानगर, तेलीबाग, वृंदावन योजना, कृष्णानगर, हरदोई रोड पर आम्रपाली योजना, गोमती नगर, गोमती नगर विस्तार समेत शहर के कई हिस्सों में ग्रीन गैस लिमिटेड पाइप लाइन बिछा चुका है। माल एवेन्यू स्थित राजभवन तक पीएनजी की सप्लाई है लेकिन बेहद घना व व्यस्त इलाका होने के चलते खुदाई की अनुमति न मिलने से हजरतगंज तक पाइप लाइन नहीं जा सकी है। शहर की बाकी आबादी पीएनजी को लेकर पलकें बिछाए इंतजार कर रही है लेकिन अब तक को जो फीड बैक है वो बेहद बुरा है। पिछले कुछ सालों में हुए हादसों और घटनाक्रमों पर नजर दौड़ाए तो ग्रीन गैस की कार्यशैली तमाम सवालों के घेरे में है।

गूगल पर कंपनी की प्रोफाइल देखने पर उसमें कस्टमर्स का फीडबैक देखेंगे तो सबसे ज्यादा शिकायत कस्टमर केयर सर्विस को लेकर है। आकस्मिक परिस्थितियों में कस्टमर केयर सर्विस, कंपनी कार्यालय या अफसरों का फोन न उठना, अभद्र व्यवहार की शिकायतें तो आम है। तमाम उपभोक्ता तो ऐसे है जिनके यहां गैस कनेक्शन लगे महीनों बीत गए लेकिन बिल नहीं पहुंचा और पहुंचा तो गलत, किसी के यहां मीटर का फॉल्ट तो किसी के यहां वॉल्व में लीकेज की समस्या। शिकायतें सुनने वाला कोई नहीं है।

ग्राहक भगवान होता है, उसके साथ खिलवाड़ न करें

एक उपभोक्ता भुवन भास्कर जोशी है, जिन्होंने एक महीने पहले सार्वजनिक तौर पर सोशल साइट पर कम्पनी की कार्यशैली पर उंगली उठाई और सुधार करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बेहद खराब सर्विस है। कोई भी फोन नहीं उठाता, कस्टमर केयर का नम्बर हमेशा व्यस्त रहता है। मेरा कंपनी को सुझाव है कि कस्टमर भगवान के समान होता है। हम लोग आपके साथ खेल नहीं रहे है, यदि आप व्यस्त है तो हम लोग भी व्यस्त है। हम लोग आपकी गैस का इस्तेमाल करते है तो समय से पहले भुगतान भी करते है, इसलिए कृपया फोन उठाइए। कंपनी के अधिकारियों को मेरी महत्वपूर्ण सलाह है कि जितनी जल्दी हो सके, अपने कर्मचारियों पर विशेष ध्यान दें। एक सप्ताह पहले राकेश वर्मा ने शिकायत दर्ज कराई कि ग्रीन गैस पाइप लाइन सितम्बर 2021 को बिछा दी गई लेकिन फाइनल कनेक्शन अब तक नहीं किया गया। कस्टमर केयर पर फोन और ईमेल के जरिए शिकायत दर्ज कराई लेकिन कोई भी सकारात्मक जवाब नहीं मिला। इसी तरह करीब दो सप्ताह पहले राघवेंद्र सिंह ने भी कस्टमर केयर सर्विस पर कमेंट कर कंपनी की पोल खोली और बताया कि 22 जून को पीएनजी कनेक्शन के लिए फार्म सबमिट कर लिया गया लेकिन तीन महीने बीतने के बाद भी किसी ने कोई सुध नहीं ली। सैकड़ों बार कस्टमर केयर का नंबर मिलाया लेकिन कोई रिस्पांस नहीं मिला। कस्टमर केयर सर्विस में लगे कर्मचारी पूरी तरह से अनप्रोफेशनल व अप्रशिक्षित है।

कब-कब प्रभावित हुई पीएनजी सप्लाई

- 16 नवम्बर, 2021- अचानक पीएनजी की सप्लाई रोकी गई, 2500 घर प्रभावित।
- 8 मार्च, 2022- रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से गैस की कीमतों में आए उछाल का बहाना बना 20 फीसदी गैस कम आपूर्ति की, नहीं जले कई घरों में चूल्हें।
- 3 अप्रैल, 2022- विभूतिखंड के विराजखंड एक भरवारा रेलवे क्रासिंग के पास ग्रीन गैस पाइप लाइन में आग लगी, पीएनजी सप्लाई रोकी गई।
- 31 मई 2022- गोमती नगर में 10 हजार से अधिक घरों में पीएनजी सप्लाई रही ठप, कंट्रोल पैनल में आई खराबी का कारण बताया गया।

"कस्टमर के लिए दो नंबर जारी किए गए है। एक शिकायत दर्ज कराने के लिए है जबकि दूसरा कस्टमर केयर का। हमेशा उपभोक्ता एक साथ दोनों पर नम्बरों पर लगातार फोन मिलाते है, जिससे लाइनें व्यस्त बताती है। स्वाभाविक है कि एक ही समस्या को बार-बार सुनने या जवाब देने पर कस्टमर केयर कर्मचारी कई बार चिड़चिड़ाहट में गलत बोल जाते है या फिर सही ढंग से जवाब नहीं देते तो ऐसे में अभद्रता की शिकायतें आती है।"

शरत कुमार, निदेशक वाणिज्य, ग्रीन गैस लिमिटेड

आपातकालीन नम्बर 6390905008
कस्टमर केयर नम्बर 6390905003

गरीब और असहाय बच्चों की शिक्षा से बड़ी पूजा कोई दूसरी नहीं : संजय शर्मा

» समाजसेवी वकार रिजवी की याद में एमएसजी फाउंडेशन ने किया कार्यक्रम का आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गरीब और असहाय बच्चों को शिक्षित करने से बेहतर कोई दूसरी पूजा नहीं है। अगर यह बच्चे शिक्षित हो गए तो ही भारत दुनिया का सबसे सशक्त देश बनेगा। 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एमएसजी संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बहुत जरूरी है कि इस तरह समाज से अलग कटी हुई ऐसी गरीब बस्तियों में जागरूकता के कार्यक्रम चलाए जाए।

डीआरवी इंटर कॉलेज संजय गांधी पुरम फैजाबाद रोड पर एक शाम वकार रिजवी के नाम से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संजय शर्मा बोले कि इस फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे कार्य सराहनीय हैं। फाउंडेशन की जितनी भी प्रशंसा की जाए, वह कम है। उन्होंने आज ऐसे व्यक्ति व समाजसेवी वकार रिजवी के नाम पर कार्यक्रम का आयोजन किया जो हमेशा लोगों के लिए मार्गदर्शक रहा, जिसने हर मौके पर सभी वर्ग सभी तबके के लोगों को आगे बढ़ाया। वकार रिजवी आज भी लोगों के दिलों में जीवित है। इस मौके पर मुख्य संरक्षक अब्दुल वहीद, मुख्य समंवयक समरीन सिद्दीकी, अंबर अली खान, अवंतिका बाजपेयी ने भी अपने-अपने विचार रखे। इस अवसर पर एमएसजी फाउंडेशन की तरफ से बच्चों को कॉपी-किताबें, पेंसिल-रबर एवं दालमोट, बिस्किट और फल बांटे गए। समारोह में फाउंडेशन के द्वारा सरताज आलम, प्रभियोत कौर, अंशिका पांडे, ऋषि रावत, नासिर अली, रोशनी तिवारी, काजिम रजा, मुकेश मिश्रा, प्रेमचंद्र यादव को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए मोहम्मद सादिक ने सबका आभार जताया। इस मौके पर इमरान अली, आलम रिजवी, रहबर हुसैन, अतहर अब्बास, साहिल मिर्जा, राहिल मिर्जा, इमरान, हसन रजा, निखिल शाह मौजूद रहे।

भाजपा सरकार को पीड़ितों की मदद की चिंता नहीं : खाबरी

» प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने झांसी में आकाशीय बिजली गिरने से मृतकों के परिवार से की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश अध्यक्ष बनते ही पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी ने प्रदेश के पीड़ितों का दुख दर्द बांटना शुरू कर दिया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने आज जनपद झांसी पहुंचकर उन पीड़ित परिवारों से मुलाकात की, जिनके घर के सदस्यों की मौत आकाशीय बिजली गिरने से हुई थी और मदद का पूरा भरोसा दिया और भाजपा सरकार पर पीड़ितों के साथ ना खड़े होने का और किसी भी प्रकार की मदद ना करने कर आरोप लगाया।

प्रदेश कांग्रेस मीडिया संयोजक और प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने बताया की खाबरी ने जनपद झांसी के तहसील मऊरानीपुर के गांव इटाईल पहुंचकर आकाशीय बिजली गिरने से मृत व्यक्तियों के परिवारों से मुलाकात की। परिजनों से उनका दुःख दर्द बांटा। इसके बाद कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा पीड़ितों के साथ खड़ी रही है और उनको मदद करती रही है उनकी लड़ाई लड़ती रही है, जो भी घटना हुई है बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है लेकिन उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा सरकार सिर्फ प्रचार में विश्वास करती है उनको पीड़ितों का दुख दर्द दिखाई नहीं देता, ना तो उनके नेताओं-मंत्रियों को पीड़ितों का दुख साझा करने का समय है। सिर्फ झूठ बोलकर काम चलाते हैं। अंशू अवस्थी ने बताया कि खाबरी ने उनके परिजनों से मुलाकात की और हर संभव मदद का भरोसा दिया।

गुजरात चुनाव में आप को नहीं मिलेगी तवज्जो : स्मृति

नई दिल्ली (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। पीएम मोदी पर गुजरात आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष गोपाल इटालिया की टिप्पणी को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने इटालिया की पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल को लेकर केजरीवाल पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की मां का अपमान किया गया है। स्मृति ने कहा आम आदमी पार्टी का एक नेता 100 वर्षीय महिला का अपमान इसलिए करता है क्योंकि उस मां ने ऐसे बेटे को जन्म दिया, जिसने देश का आशीर्वाद पाकर प्रधानसेवक के दायित्व का निर्वहन किया। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि मैं अरविंद केजरीवाल से दो शब्द साफ कहना चाहती हूं कि आगामी विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की राजनीतिक हार होने जा रही है। स्मृति ईरानी ने कहा कि आप ने प्रधानसेवक की मां का सिर्फ अपमान नहीं किया, बल्कि आपने गुजरात में एक 100 वर्षीय मां का अपमान किया है। उनका मां का अपमान इसलिए किया, क्योंकि वो अपनी राजनीति चमकाना चाहते हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।